

KENDRIYA VIDYALAYA LEIMAKHONG

NEWS LETTER OF THE SESSION 2018-2019

OCT-DEC ISSUE



OUR INSPIRATION



SH. B.K BEHARA
(Deputy Commissioner I/C)



SH. S.V. JOGLEKAR
(Assistant Commissioner)

ADDRESS- KENDRIYA VIDYALAYA NO. 3 IMPHAL, LEIMAKHONG

EMAIL: kv3imphal@gmail.com

PHONE: 0385-249214

KENDRIYA VIDYALAYA LEIMAKHONG

CMP NEWSLETTER 2018-19

OCT-DEC ISSUE



**Shri. BIPLAB SARKAR
PRINCIPAL**

MESSAGE FROM THE PRINCIPAL DESK:-I extend a warm welcome to you & your family to Kendriya Vidyalaya No. 3 Imphal, Leimakhong.

“Learning starts in infancy, long before formal education begins and continues throughout life”

Kendriya Vidyalaya No. 3 Imphal, Leimakhong belief in creating an environment of love, care and trust for its little ones. Being of very tender age, the boys and girls of our Primary section tend to get overwhelmed in School, their first new social setting. So our Primary teachers interacts with them in a compassionate manner, looking after their cognitive, social and emotional needs. The youngsters are at the top of my priority list as I firmly believe a strong academic foundation in the primary years will make them confident learners in the secondary & senior secondary years. I, along with the staff and sub-staff of Kendriya Vidyalaya No.3 Imphal, Leimakhong work towards a holistic development of our students.

I am very proud to present to you all, the CMP quarterly newsletter for October- December. Please enjoy reading it.

“The capacity to learn is a gift, the ability to learn is a skill; the willingness to learn is a choice”

COMMUNITY LUNCH



DIYA MAKING



FUN DAY ACTIVITIES



QUIZ COMPETITION



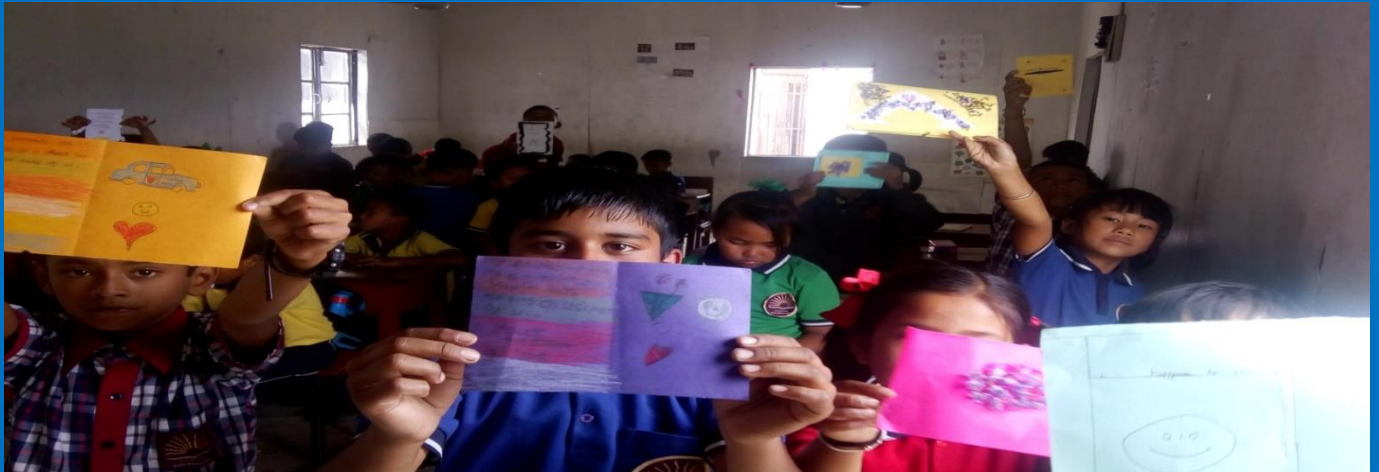
STORY TELLING



CREATIVITY AT A GLANCE



GREETING CARD MAKING



STUDENT'S CREATIVE THOUGHT

Save Forest
Name = Dongarlan

Right to Forest

* People who have been living in the forests for at least 25 year. have a right over the forest land and what is grown on it. They should not be removed from the forest. The work of protection the forest should be done by their Gram Sabha

नाम : अन्वेषा सरकार, कक्षा : 5A, क्रमांक : 28 जनवरी

सुभाष चन्द्र बोस

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 में कटक (उड़ीसा) में हुआ, 1920 में वह इन दिनों जुने भारतीयों में से एक थे, जिन्होंने आई. सी. एस परीक्षा उत्तीर्ण की, 1921 में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य बने।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारतीय राष्ट्रीय संग्राम में सबसे अधिक प्रेरणा के स्रोत रहे हैं, वह वह व्यक्ति हैं जिन्होंने कहा था, " तुम मुझे मूर्ख ही मैं तुम्हें आज्ञा देना।"

जापान और जर्मनी की सहायता से इन्होंने कांग्रेस के विरुद्ध लड़ने के लिए एक सेना का गठन किया जिसका नाम उन्होंने " आजाद हिन्द फौज" रखा। कुछ ही दिनों में उन्होने जेता ने भारत के अखंडमान विमोचन द्वीप समूह नागालैण्ड और मणिपुर में आजादी का झंडा लहराया।

सुभाष चन्द्र बोस का नाम स्वतन्त्रता सेनानियों में बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है, उनके द्वारा दिया गया, ' जय हिन्द ' का नारा आज हमारा राष्ट्रीय नारा है।

1945 में जापान द्वारा हथियार डालने पर आजाद हिन्द फौज के सैनिकों को विरतार कर लिया गया, 23 अगस्त 1945 को जापान के सैनिकों रेडियो द्वारा विमान दुर्घटना में सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु का समाचार प्रसारित किया गया। परन्तु आज यह त्तर साल के बाद भी उनकी मृत्यु का मामला रहस्यपूर्ण बना हुआ है।

Kohimani Roll no 210, VA January

भारत दुनिया की सबसे प्राचीन और विकसित सभ्यताओं वाला देश है। तकरीबन 17वीं शताब्दी तक भारत दुनिया का सबसे समीर देश था। चाइनी और अरबों के बाद अब भारत के पास भी सबसे सराके प्राचीन इति है। वैदिक सिटी और यन्त्रा को उसने जितने लोप आते है, उन दोनों को सनाकर जसे आजगुदा लोप विरुधत बातची नष्ट और काशी विद्यनाय गष्टर देसने आते है। भारत ने ही जोरी 00 की खोज की है। भारत में हर 12 साल में एक बार कुम्भ मेले का आयोजन किया जाता है, जहा सभी दुर्गे के लोग प्रकृत होते है, इस निहाय से यह दुनिया का सबसे बड़ा मेला है। कुम्भ मेले में आने वाले सभी पर्य के लोगों की संख्या इतनी अधिक बढ़ती है की उठे अतरान में से भी देसा जा सकता है। चाय भारत का राष्ट्रीय पेय है। भारत का कुडस नदी से लिया गया है। इस पाटी की समत दुनिया की सभे प्राचीन सभ्यता मानी जाती है। दुनिया ने पारापसी आज एक सभे प्राचीन और सभे विकसित सिटी के रूप में जानी जाती है। कितो गो देश की तुलना में भारत में सभे ज्यादा गस्जिट है। तबतक 300000 मस्जिट है। गुरिन लस्मोमी की सिटी से भारत तबत नकर पर है। तबतशीना की दुनिया की पहली गुस्जिट मानी जाता है, जिसे 50000 में शुरू किया गया था। आज विचारियों की संख्या को देसने इति लस्मोमी की इ सिटी में देसरी स्कूल दुनिया में सभे बड़ी स्कूल है। अस्मल में तबतरीबन 45000 बच्चे मर्दत है। प्राचीन उल्ले तबतरीबन 13 तास लोमो की रेजगार दे रही है। जो निरी भी इन देश की जनसंख्या से नई ज्यादा है।

Name Lallianmang

Right to the forest

People who have been living in the forest for at least 25 years, have a right over the forest land and what is grown on it. They should not be removed from the forest. The work of protecting the forest should be done by their Gram Sabha.